इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1210

7 मार्च, 2013 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों का विस्तार और आधुनिकीकरण

1210. डा0 टी0 सुब्बारामी रेड्डी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या स्टील अथॉरिटी ऑफ इंण्डिया लिमिटेड (सेल) ने देश में इस्पात की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए विभिन्न इस्पात संयंत्रों का विस्तार और आधुनिकीकरण करने के लिए कोई कार्यक्रम शुरू किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) कुल संभावित निवेश/व्यय का ब्यौरा क्या है तथा इस आधुनिकीकरण कार्य के परिणामस्वरूप संयंत्र-वार प्रत्येक संयंत्र की उत्पादन क्षमता कितनी बढ़ जाने की संभावना है; और

(घ) इन कार्यक्रमों के कब तक पूरे हो जाने की संभावना है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **श्री बेनी प्रसाद वर्मा**

(क) और (ख): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भिलाई, बोकारो, राउरकेला, दुर्गापुर एवं बर्नपुर स्थित अपने 5 एकीकृत इस्पात संयंत्रों और सेलम स्थित विशेष इस्पात संयंत्र में आधुनिकीकरण एवं विस्तार कार्य आरंभ कर दिया है ताकि इसकी क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता को वर्तमान चरण में 12.84 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़ाकर 21.40 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की जा सके।

सेल के सेलम स्टील संयंत्र का विस्तार सितम्बर, 2010 में पूरा कर लिया गया है और ये सुविधाएं नियमित प्रचालन कर रही हैं। सेल के राउरकेला स्टील संयंत्र में सिंटर प्लांट ने प्रचालन शुरू कर दिया है, नई कोक ओवन बैटरी की हीटिंग की जा रही है और ब्लास्ट फर्नेस पूरा होने की अग्रिम अवस्था में है। इस्को स्टील संयंत्र में रॉ मेटेरियल हैंडलिंग सिस्टम, सिंटर प्लांट, आक्सीजन प्लांट और नई कोक ओवन बैटरी परिसर का कार्य पूरा कर लिया गया है। वायर रॉड मिल, ब्लास्ट फर्नेस इत्यादि जैसी सुविधाएं पूरा होने की अवस्था में हैं। बोकारो स्टील संयंत्र में एक ब्लास्ट फर्नेस का उच्चीकरण और दो कोक ओवन बैटरियों का पुनर्निर्माण पूरा हो गया है तथा नई कोल्ड रोलिंग मिल का सेक्शन वार एकीकृत ट्रायल रन किया जा रहा है। सेल के भिलाई स्टील प्लांट और दुर्गापुर स्टील प्लांट में कार्य क्रियान्वयन की विभिन्न अवस्थाओं में है।

(ग) आधुनिकीकरण एवं विस्तार के प्रथम चरण के लिए संकेतक निवेश 61870 करोड़ रूपये है। इसके अतिरिक्त, रॉ मेटेरियल डिवीजन (आरएमडी) के तहत विद्यमान खानों और रावघाट खान के विकास में निवेश हेतु 10264 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

वर्तमान उत्पादन क्षमता और एकीकृत इस्पात संयंत्रों के वर्तमान आधुनिकीकरण एवं विस्तार के फलस्वरूप बढ़ी हुई संभावित क्षमता के ब्यौरे उनके निवेश और व्यय समेत संयंत्र-वार नीचे दिए गए हैं।

संयंत्र	परिकल्पित निवेश (सेनवेट का निवल), (करोड़ रूपए में)	जनवरी, 2013 तक सकल वास्तविक खर्च, (करोड़ रूपए में)	क्रूड स्टील का उत्पादन (एमटीपीए)	
			अधिस्थापित	विस्तार के पश्चात
भिलाई इस्पात संयंत्र	17,266	7,639	3.93	7.0
राउरकेला इस्पात संयंत्र	11,812	8,691	1.90	4.2
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	2,875	1,364	1.80	2.2
बोकारो इस्पात संयंत्र	6,325	3,244	4.36	4.61
इस्को इस्पात संयंत्र	16,408	14,219	0.50	2.50
सेलम इस्पात संयंत्र	1,902	2,238	-	0.18

(घ) आधुनिकीकरण एवं विस्तार के वर्तमान चरण के वर्ष 2013-14 तक उत्तरोत्तर रूप से पूरा हो जाने की प्रत्याशा है।

****